श्री जैन युवक महासंघ पुणे द्वारा प्रकाशित

REG. NO. MAHHIN/2013/57347

प्रेरक – प. पू. गणिवर्य नयपद्म सागरजी म. सा.

युवा महासंघ

संपादक : अचल व्ही. जैन

वर्ष : १, अंक : ५ पुणे (महाराष्ट्र) शनिवार, १५ फरवरी २०२५

राज्य में बीजेएस के जल कार्य सराहनीय : सीएम फडणवीस

मुंबई : भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) का महाराष्ट्र में पिछले डेढ़ दशक में जल संबंधी कार्य सर्वश्रेष्ठ है. उसकी उच्च गुणवत्ता वाली सार्वजनिक जागरूकता और क्षमता निर्माण में उत्कृष्ट है. इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारतीय जैन संगठन के सहयोग से तलछट मुक्त बांध और तलछट युक्त शिवार योजना सफल होगी. ऐसा विश्वास मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने व्यक्त किया.

मृदा एवं जल संरक्षण विभाग, महाराष्ट्र सरकार और भारतीय जैन संघ, मंत्रालय, मुंबई के बीच सोमवार (३ फरवरी) को मुख्यमंत्री की उपस्थिति में तलछट मुक्त बांध और तलछट समृद्ध शिवार योजना के संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए. इस अवसर पर मृदा एवं जल संरक्षण राज्य मंत्री इंद्रनील नाइक, भारतीय जैन संगठन के संस्थापक शांतिलाल मुथा, अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खड़गे, प्रमुख सचिव अिशनी भिड़े, मृदा एवं जल संरक्षण विभाग के सचिव गणेश पाटिल, प्रिया खान, बीजेएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदकिशोर साखला, प्रबंध निदेशक कोमल जैन, प्रदेश अध्यक्ष केतन शाह, प्रदेश सचिव प्रवीण पारख, परियोजना निदेशक दीपक साहा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

जागरूकता हेतु सामुदायिक भागीदारी का काम महाराष्ट्र सरकार की कीचड़ मुक्त बांध और कीचड़ मुक्त शिवार योजना को पूरे महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए हर गांव में जागरूकता बढ़ाने, प्रचार–प्रसार, सामुदायिक भागीदारी और क्षमता निर्माण का काम किया जाएगा. योजना को लेकर सभी ग्रामों में जागरूकता पैदा की जाएगी. बीजेएस के मोबाइल एप के माध्यम से पंचायतों तक पहुंच बनाई जाएगी. मांगें प्रस्तुत कर सरकार को भेजी जाएंगी. इस समझौते में शामिल हैं.

राज्य को जल–समृद्ध बनाने बीजेएस का योगदान

मुख्यमंत्री फडणवीस ने जल क्षेत्र में बीजेएस द्वारा अब तक किए गए कार्यों की सराहना की. उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र सरकार बीजेएस का उपयोग महाराष्ट्र को जल–समृद्ध बनाने के लिए करेगी. शांतिलाल मुथा ने आश्वासन दिया कि बीजेएस पूरे महाराष्ट्र में एक जन आंदोलन शुरू कर राज्य सरकार की तलछट मुक्त बांध और गाद से भरे शिवार योजना के उद्देश्यों को प्राप्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी.

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराजको घोषित किया राजकीय अतिथि

पुणे : कोल्हापुर के नजदीक नांदणी गांव में पंचकल्याणक के कार्याध्यक्ष सागर संभूशेटे जी ने अवगत किया है कि विधायक राहुल आवाडे, इचलकरंजी जी के विशेष प्रयत्न से प. पू. चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज को महाराष्ट्र सरकार द्वारा १ फरवरी से २५ मार्च २०२५ तक महाराष्ट्र प्रवास तक राज्यकीय अतिथि घोषित किया गया है.

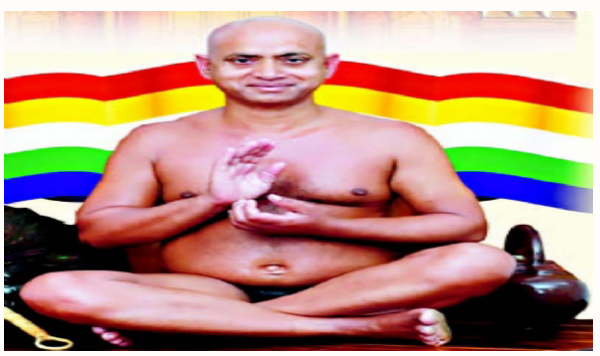

प. पू. चर्या शिरोमणि आचार्य भगवन श्री विशुद्धसागर जी महाराज को कर्नाटक सरकार द्वारा भी २०२४ में कर्नाटक प्रवास तक राज्यकीय अतिथि घोषित किया गया था. हेरले, जैनरगुत्ती (कर्नाटक), नांदणी, रुकडी, पंढरपुर, मुंबई, जालना (महाराष्ट्र) आदि पंचकल्याणक पूजा महोत्सव हेतु प. पू जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामीजी, नांदणी के नेतृत्व में वर्तमान में आचार्य विशुद्धसागर महाराज जी और उनके ३२ शिष्यों के संघ को उत्तर से दक्षिण नांदणी चौमासा २०२४, नांदणी पंचकल्याणक २०२५ एवं धर्म प्रभावना हेतु लाये थे. आगामी भव्य पंचकल्याणक महोत्सव आढीव पंढरपुर (महाराष्ट्र) में १ फरवरी २०२५ से ५ फरवरी २०२५ तक है. २८ फरवरी २०२५ से ५ मार्च २०२५ तक शिरसाड मुंबई पंचकल्याणक संपन्न होगा. उसके उपरांत जालना पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन हुआ है.

विज्ञप्ती

जैन मेट्रोमोनी

(वधु वर सूचक विभाग)

श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक युवक महासंघ पुणे द्वारा पुणे एवं पुणे के आसपास क्षेत्रो में रहने वाले जैन परिवार जिनको अपने पुत्र पुत्रियों के वैवाहिक रिश्ते बनाने में समस्या आ रही है वे परिवार अपने बच्चों के BIO-DATA दो फोटो के साथ महासंघ कार्यालय में जमा करा सकते है । कम्प्यूटराइज करने के बाद इच्छुक परिवारों की मिटींग आयोजित करते हुए यथा संभव महासंघ वैवाहिक रिश्ते बनाने में सहयोग करेगा । धन्यवाद !

❊ संपर्क ❊

श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक युवक महासंघ पुणे

बिजनेस प्लाझा, १ ली मंजिल, भवानी पेठ, पुणे

मो.: +९१ ८८३०४ ७६७८९

E-mail : ymspune@gmail.com

मावल की धरती पर आकर मुझे अपनेपन का एहसास हुआ!

■ वडगाव मावल में आयोजित प्रेस वार्ता में युवाचार्य परम पूज्य श्री महेंद्र ऋषिजी म.सा. का प्रतिपादन

वडगांव मावल : युवाचार्य परम पूज्य श्री महेंद्र ऋषिजी म.सा. ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता की भूमि मावल में आकर उन्हें अपनेपन का एहसास हुआ। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने ४५ साल पहले इस भूमि पर आने और उस समय घटित घटनाओं को याद किया।

वडगांव मावल से शिवम संदीप बाफना के दीक्षा महोत्सव के अवसर पर युवाचार्य श्री महेंद्र ऋषिजी म. सा उनके साथ कई जैन मुनि और साधु मंगलवार को वडगांव पहुंचे। शहर में वडगांव के नागरिकों एवं जैन बंधुओं द्वारा भक्तिमय वातावरण में उनका स्वागत किया गया।

इस बीच, शुक्रवार को आयोजित होने वाले दीक्षा महोत्सव के अवसर पर वे वडगांव मावल में ठहरे हुए हैं, इसलिए महाराष्ट्र सहित राज्य के कई हिस्सों से जैन बंधु उनसे मिलने आ रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने वडगांव शहर के पत्रकारों से बातचीत की।

युवाचार्य श्री महेंद्र ऋषिजी म. सा उन्होंने कहा, मावल की भूमि ऊर्जा संसाधन पैदा करने वाली भूमि है, इस भूमि पर छत्रपति शिवाजी ने सैनिकों को नहीं, बल्कि मावलों को साथ लेकर स्वराज्य की स्थापना की थी। यह सचमुच हमारा सौभाग्य है कि हमें ऐसी भूमि पर आने का अवसर मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि यहां के लोगों में अपनापन और अपनेपन की भावना है, इसलिए जब हम मावल आए तो हमें अपनापन का एहसास हुआ।

उन्होंने पत्रकारों को जैन समुदाय में महत्वपूर्ण मानी जाने वाली दीक्षा, दीक्षा लेने से उत्पन्न होने वाली आत्मीयता, दीक्षा लेने के बाद संबंधित व्यक्ति की जीवन यात्रा तथा जैन समुदाय में दीक्षा के महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर संत तुकाराम शिक्षण प्रसारक मंडल के सचिव अशोक बाफना, व्यवसायी राजेश बाफना और पूर्व पार्षद भूषण मुथा उपस्थित थे।

४५ साल पुरानी यादें ताज़ा हो गईं!

इस बीच, वर्ष १९८० में, यानी ४५ साल पहले, मैं दीक्षा महोत्सव के लिए वडगांव मावल आया था। उस समय छह लोगों को दीक्षा दी गई थी। यह कार्यक्रम यहां न्यायालय में आयोजित किया गया था और कार्यक्रम से एक दिन पहले भारी बारिश हुई थी। तो वहां एक बड़ी पंचायत हुई, हर कोई इस बात को लेकर चिंतित था कि कार्यक्रम कैसे होगा। लेकिन भगवान की दया थी और जब दीक्षा समारोह समाप्त हुआ, तब धूप खिल गई थी और फिर बारिश शुरू हो गई। उन्होंने ४५ साल पुरानी एक घटना का जिक्र किया और पुरानी यादें ताजा कर दीं।

आधारस्तंभ

श्री अचल जैन

श्री हरेश शहा

श्री सतीश शहा

श्री विलास शहा

श्री समीर (सुनील) जैन

युवा-महासंघ द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म आरंभ

प. पु गुरुदेव आचार्य भगवंत श्री नयपद्मसागरजी म. सा. की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से

युवक महासंग की भविष्य की योजनाओ को पूर्ण करणे हेतू सोशल मीडिया प्लेटफार्म आरंभ कर रहे है।

इसमें हमारे अखील भारतीय युवक महासंघ की सभी गतिविधीया फोटो सहित पोस्ट होंगी।इसी के साथ हम अपने आस-पास की महत्वपूर्ण न्यूज़ भी प्रकाषित करेंगे।

आपसे से विनंती हे की, कृपया आपके विभाग मे जो भी कार्यक्रम हो रहे हे,या होनेवाले हे, ऐसे कार्यक्रमो की फोटोसहित जानकारी हमे, भेजे।

नोट : आप हमारा व्हाट्सअप नंबर अपने ग्रुप में ऐड करे ८८३०४ ७६७८९

धन्यवाद
आपका
टीम युवा-महासंघ

मंदिर का ध्वज दण्ड शुभ ऊर्जा को ग्रहण कर जीवन में सकारात्मक तरंगें उत्पन्न करता है

■ राजरक्षितविजयजी महाराज के विचार

पुणे : लोनावाला में पंन्यास राजरक्षित**विजयजी, पंन्यास नयरक्षितविजयजी आदि साधुसाध्वीजी की पावन निश्रा में श्री शांतिनाथ जिनालय की १२८वीं वर्षगांठ उत्साहपूर्वक मनाई गई.**

ध्वजा के लाभार्थी जयंतीलाल हिम्मतलाल बोराणा राठौड़ परिवार चतुर्विध संघ के साथ रथ पर सवार होकर श्री शांतिनाथ जिनालय आये. वरघोड़े में श्री महावीर प्रसाद वितरित कर लोगों का मुंह मीठा कराया गया. ध्वजा पर पुष्प वर्षा की गई. ध्वजारोहण के अवसर पर पं. राजरक्षितविजयजी ने विशाल जनसमूह को बताया कि मंदिर का ध्वज दण्ड शुभ ऊर्जा को ग्रहण कर जीवन में सकारात्मक तरंगें उत्पन्न करता है.

मंदिर का बहुत प्रभाव है. इसे ऐसा मंदिर कहा जाता है जो भटकते मन को अंदर ले जाता है. मुगल काल में मंदिर और मूर्ति भंजन का दौर था. वर्तमान समय मूर्ति भंजन का नहीं बल्कि आस्थाभंजन का समय है. मैकाले शिक्षा ने ईश्वर के प्रति आस्था पर गहरी चोट की है. नए मन्दिर बन रहे हैं. लेकिन मंदिर जाने वाले युवाओं की संख्या कम हो रही है. ध्वजारोहण अवसर पर उपस्थित सभी भाई-बहनों को भीष्म संकल्प लेना है.

सब कुछ बिना चलेगा, लेकिन भगवान के बिना नहीं एक व्यापारी का बैंक पर भरोसा टूट सकता है. नौकर का सेठ पर से भरोसा टूट सकता है, लेकिन भक्त का भगवान पर भरोसा कभी नहीं टूटता. प्रभु के घर देर हैं, मगर अँधेर नहीं है. जब कोई नहीं आता मेरे दादा आते हैं, मेरे दुःख के दिनों वो हर बार आते हैं. पंन्यास नयरक्षितविजयजी ने बच्चों को प्रत्येक रविवार को पूजा करने के लिए प्रेरित किया. डॉ. शैलेश शाह ने एक साल तक बच्चों के प्रभावना का लाभ लिया. ३ फरवरी को श्री मुनिसुव्रत जिनालय की ध्वजारोहण के अवसर पर जयानंद धाम लोनावला पहुंचेंगे. ८ और ९ फरवरी को जयानंद धाम में पारिवारिक मिलन समारोह हुआ.

आगम मंदिर कात्रज में दीक्षा महोत्सव धूमधाम से मनाया

पुणे : पुणे में आगम मंदिर, कात्रज में गिरिविहार संस्था मार्गदर्शक, गुरुकृपापात्र गच्छाधिपति प. पू. आ. देव श्री विजय विज्ञानप्रभसूरीशरजी महाराज के शुभाशीष से एवं तपस्वी सम्राट प.पू. प्रवर्तक श्री बोधिप्रभविजयजी म.सा. के आज्ञानुवर्तिनी वर्धमान तपोनिधि प. पू. सा. श्री अरिहंतप्रभाश्रीजी म. सा. की निश्रा में कुमारी समता अशोकजी बोहरा (उम्र २४) एवं कुमारी श्वेता सुरेशजी ढेलडिया (उम्र २५) की परमानंदि पुनित प्रव्रज्या यानी जैन दीक्षा का तीन दिवसीय महोत्सव बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुआ.

७० से अधिक जैन साधु साध्वी तथा २००० से अधिक श्रावक श्राविकाओं के बीच १५००० स्क्के. फीट के रंग मंडप में बड़े ही धूमधाम से दीक्षा का भव्य ऐतिहासिक कार्य संपन्न हुआ. मुंबई के प्रसिद्ध एंकर मोंटूभाई, पूना के प्रसिद्ध संवेदक स्नेहिल मेहता, मुंबई के नैतिक मेहता एवं चेन्नई के प्रसिद्ध संगीतकार धीरज निबजिया तथा मुंबई के सुप्रसिद्ध संगीतकार मीत मुथा ने दीक्षा के माहौल में खूब रंग जमाया. महोत्सव के मैनेजमेंट में नारीशक्ति– चेन्नई, श्री शंखेश्वर पूनम यात्रा संघ एवं संगीत मंडल, जिनशासन युवा मंडल, सोमवार पेठ जैन संघ समिति, मित्रों तथा रिश्तेदारों ने मदद की.

दीक्षाथी ममता सेठी का अभिनन्दन एवं छोल भराई कार्यक्रम का आयोजन

गुवाहाटी : पचार (राजस्थान) निवासी गुवाहाटी(दिसपुर) प्रवासी श्रीमती ममता देवी सेठी धर्मपत्नी स्व. मनोहर लाल सेठी आगामी १६ मार्च को नेमगिरी के बंडा (म.प्र.) मे विराजित आचार्य श्री १०८ दयासागर महाराज के कर कमलों से जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण करने जा रही है।

जिसकी अनुमोदना हेतु शुक्रवार को फैंसी बाजार स्थित श्री दि. जैन(बडा) मंदिर के ए.सी.हॉल में प्रातः ७:०० बजे अभिनन्दन एवं छोल भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने वैराग्य की अनुमोदना करते हुए पुण्यार्जन किया। इससे पूर्व दीक्षार्थी ममता दीदी गुरुवार को पांडू ,मालीगांव, रिहाबाडी जैन मंदिर पहुंची । जहां दीक्षार्थी ने श्रीजी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। तत्पश्चात संध्या:७:३० बजे पान बाजार स्थित पदम चंद पाटनी के निवास स्थान मे दीक्षार्थी का पचार युवा मंच (गुवाहाटी) द्वारा सामूहिक अभिनंदन एवं छोल भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। तत्पक्षात मंच के ताराचंद ठोलिया ने दीक्षाथी का परिचय प्रस्तुत किया।

जलद बुद्धिबळ मानांकन स्पर्धेत कशिश जैनला विजेतेपद

■ विजेत्यांना दोन लाखांचे पारितोषिक

खेड शिवापूर : खेड शिवापूर येथील शिवभूमी शिक्षण संस्थेच्या वतीने घेण्यात आलेल्या शिवाजीराव कोंडे स्मृती खुल्या आंतरराष्ट्रीय जलद बुद्धिबळ मानांकन स्पर्धेत खुल्या गटात पुण्याचा फिडेमास्टर कशिश जैनने साडेआठ गुण मिळवून विजेतेपद मिळविले.

राज्यातील अखिल भारतीय बुद्धिबळ महासंघ संघटना व पुणे जिल्हा बुद्धिबळ सर्कलच्या मान्यतेने खेड शिवापूर येथील एका मंगल कार्यालयामध्ये ही स्पर्धा झाली. या स्पर्धेत सम्यक शेटे यांनी अभिषेक केळकर याला, तर कशिश जैनने कुशाग्र जैनला हरवून साडेआठ गुणांची कमाई केली.

कशिश जैन याने सरासरी गुणांमध्ये झेप घेत अव्वल स्थान पटकाविले. सम्यक शेटे याने दुसरा, प्रथमेश शेलारने तिसरा, तर श्रेयस भोसले याने चौथा क्रमांक पटकाविला. उत्कृष्ट महिला खेळाडू म्हणून सेरा डगरिया व दिशा प्रसन्न पै, सई पाटील यांना गौरविण्यात आले.

स्पर्धेतील विजेत्यांना २ लाख रुपयांची रोख पारितोषिके व पदक देण्यात आले. या स्पर्धेत ५७५ खेळाडूंनी सहभाग नोंदविला होता.

एन. एस. जैन ॲण्ड कंपनी प्रा.लि.

ऑथोराईज्ड डिस्ट्रिब्युटर्स ॲण्ड होलसेल डिलर्स इन इलेक्ट्रीक गुडस्

मुख्य ऑफीस : १५० भवानी पेठ, गुळआळी, पुणे - ४११ ०४२.
फोन : ०२० - २६३८७६३६, २६३८७६४१, २६३८१६००, २६३८६६७०
शोरूम ✻ लाईट लॉच, ऑफीस नं. १ व २, पहिला मजला, आर्चिस कोर्ट, शंकरशेठ रोड, सरस्वती पेट्रोल पंपासमोर, पुणे - ४११०४२.
फोन : ०२०-२६४४३५३५ मोबाईल : ७७२२००१३९३
शाखा ✻ प्लॉट नं - ४३, सर्व्हे नं-९९, यशवंतनगर, बी.पी.एल. टॉवर जवळ टेल्को रोड, पिंपरी, पुणे - ४११०१८. फोन : ०२०-२७४२१५३७

E-mail : sales@nsjain.com Website : www.nsjain.com

Distributors for :

CROMPTON Lighting & Fans | PHILIPS Home Decorative Lights Appliances / Luminaries | ALMONARD Industrial Fans | orient electric Wires & Cables | EUREKA FORBES WATER PURIFIERS ACTIVA CLEANERS AIR PURIFIERS

Scanned with OKEN Scanner

आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज को डी. लिट

पुणे : चर्याशिरोमणि, आध्यात्मिक योगी प. पू. १०८ आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज का साहित्य में बहुत बड़ा योगदान है. दिगंबर जैन मुनियों की कठोर जीवनशैली का पालन करने वाले वे भारत में अग्रणी दिगम्बर जैन आचार्य हैं. ५५० से अधिक संतों का नेतृत्व आचार्य श्री की समग्र कठोर तपस्या एवं साहित्य को देखते हुए उन्हें भारती विद्यापीठ द्वारा डी. लिट की उपाधि से सम्मानित किया जा रहा है, ऐसी भारती विश्वविद्यालय के कुलपति एवं डॉ. विश्वजीत पतंगराव कदम ने लाखो श्रद्धालुओं की उपस्थिति में घोषणा की.

कोल्हापुर के पास नंदनी गांव में पूज्य आचार्य श्री के पावन सान्निध्य में पंचकल्याणम् प्रतिष्ठा एवं महास्तकाभिषेक समारोह बिते सप्ताह संपन्न हुआ. इस पूजा उत्सव में विधायक डॉ. विश्वजीत कदम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. उन्होंने कहा कि, गुरुदेव ने सत्यार्थ बोध, कर्म विपाक के साथ २५० से अधिक महान ग्रंथों की रचना की है. उनके वस्तुत्व महाकाव्य का गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में पंजीकरण हो चुका है. आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज द्वारा मुनि दीक्षा के पश्चात सन १९९५ से सन २०२५ तक १५३ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सवो में ससंघ सानिध्य प्रदान कर तीर्थंकर – भगवंतों की प्रतिमाओं में सूरी मंत्र प्रदान कर उन्हें पूजनीय बनाया है. इससे पहले भारती विश्वविद्यालय द्वारा २०१९ में संतशिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज को ङ्गडी.लिट की उपाधि से सम्मानित किया गया था. नांदनी मठ के प. पू. स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामीजी द्वारा विधायक डॉ. वैशजीत कदम से पूज्य आचार्यश्री को ङ्गडी. लिट. प्रदान करने की इच्छा व्यक्त की थी.

आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी का विश रिकॉर्ड

- १. गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड (कर्म विपाक कृति केशर से लिखने पर)
- २. लंडन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड (१२०१ काव्यों के ११०० पृष्ठिय वस्तुत्वमहाकाव्य पर)
- ३. यु. एस. ए. बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड (सर्वाधिक पंचकल्याणक हेतु)
- ४. डी. लिट. – ब्रिटिश नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ क्यून मेरी अमेरिका द्वारा डाक टिकट (डाक विभाग द्वारा प्रकाशित) सन २०२१, २०२४

क्या हमारे कहे हुए शब्द मलम या मिर्च का काम करेंगे? विचार करना चाहिए : पं. राजरक्षितविजयजी

पुणे : पं. राजरक्षितविजयजी ने कहा कि व्यापारी जो भी व्यापार करता है, चाहे वह आभूषण हो या कपड़े, अनाज हो या सोना-चांदी, व्यापारी का लक्ष्य मुनाफा ही होता है। साधक चाहे भगवान की पूजा करे या तपस्या, दान करें या ध्यान करे, प्रत्येक शुभ कार्य का लक्ष्य समता ही होनी चाहिए।

जो व्यक्ति किसी भी पंथ या गच्छ का पालन करता है, उसे कभी भी मोक्ष नहीं मिलेगा यदि उसे समता का गुण प्राप्त नहीं किया होता है। १४४४ ग्रंथ के रचयिता पू.आ. देवश्री हरिभद्रसूरिजी महाराज कहते हैं कि श्वेताबर, दिगंबर, स्थानकवासी, तेरापंथी, बौद्ध या अन्य धार्मिक लोग कर्म-मुक्त (मोक्ष) तभी प्राप्त कर सकते हैं जब वे समभाव की प्राप्ति करते हैं।

श्री शांतिनाथ जिनालय की १२८वीं वर्षगांठ के अवसर पर १ फरवरी को लोनावला गांव में अठारह अभिषेक पूजन होगा। दो फरवरी को विजय मुर्हूत पे ध्वजारोहण किया जाएगा।

बिना पूछे किसी को सलाह न दें

वरिष्ठ नागरिकों को बहुत कम बातचीत करना चाहिए। बिना पूछे किसी को सलाह न दें। हमारे कहे हुए शब्द मलम का काम करेंगे या मिर्च का, हमें सोचना होगा। व्यक्ति को मर्यादा में रहकर बोलना चाहिए। वरना अक्सर वो शब्द पेट्रोल का काम करते हैं और संकलेश की होली में आग लगा देते हैं. मैं किसी से कठोर वचन नहीं बोलूंगा। यदि कोई कटु वचन बोलता है तो मुझे उसे समभाव से सहन करना है। जो भगवान की आज्ञा के अनुसार समभाव से धैर्य रखता है, उसे नरक में परमाधामी के कष्ट नहीं सहन करने पड़ते।

पूरे देश में दो नहीं, साढ़े चार लाख दुकानें बंद होने के कगार पर

पुणे : ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन (एआईसीपीडीएफ) के सर्वेक्षण अनुसार, भारत में तेजी से बढ़ते क्रिक कॉमर्स बिजनेस के कारण देश में दो लाख किराना स्टोर बंद हो गए हैं.

मुंबई में किराना विक्रेताओं का कहना है कि इन दुकानों के बंद होने के पीछे ङ्कक्रिक कॉमर्स बिजनेस एकमात्र कारण नहीं है, बल्कि सरकार की खाद्यान्न वितरण की कुछ योजनाएँ भी इसका कारण रही हैं. इसके साथ ही दुकानों के किराए, लोगों की तनख्वाहें भी बढ़ गई हैं; लेकिन सेलर्स का मार्जिन उतना नहीं बढ़ा, ये भी एक वजह है.अब युवा खरीदारी के लिए दुकानों पर जाने के बजाय अपनी उंगलियों के टिप्स पर खरीदारी करने लगे हैं. इस संबंध में मुंबई ग्रेन डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रमणीक छेड़ा ने कहा कि, अब अनाज की बिक्री में काफी बदलाव आ गया हैं.

कुर्ला में पिछले चार-पांच साल में पांच दुकानें बंद हो चुकी हैं. अब अनाज की कीमत घट गयी है और लागत बढ़ गयी है.आज की पीढ़ी की जीवनशैली बदल गई है. शैक्षणिक योग्यता भी बढ़ गयी है,

जिससे किराना दुकान में बैठना उन्हें अच्छा नहीं लगता. घाटकोपर-पश्चिम में एक प्रसिद्ध किराना स्टोर को मोबाइल स्टोर में बदल दिया गया है. दूसरे एक दुकानदार का बेटा डॉक्टर बन गया, उसने किराने की दुकान बंद कर दी और दूसरा व्यवसाय शुरू कर दिया. ऐसे कई उदाहरण हैं. इसके तहत सरकार की मुफ्त अनाज वितरण योजनाएं भी विक्रेताओं के कारोबार को प्रभावित कर रही हैं. अब दिवाली की पार्श्वभूमि में सरकार की आनंदचा शिधा योजना चल रही है. इससे अनाज के कीट दिए जा रहे हैं. एक किलो चीनी, एक लीटर खाद्यतेल, ५०० ग्राम सूजी, ५०० ग्राम बेसन, ५०० ग्राम आटा, ५०० ग्राम पोहा दिया जा रहा है.

इसी कारण त्योहारों के दौरान भी दुकानदारों के लिए खाली बैठने का समय आ गया है.हाल ही में, इन विक्रेताओं के यहां ५५ वर्ष से अधिक उम्र के ग्राहक ही आते हैं. झोमैटो, जेप्टो, स्विगी कारोबार पर असर डाल रहे हैं. आज का युवा ऑनलाइन शॉपिंग के बाद सामान की गुणवत्ता देखे बिना अपनी आंखों पर पट्टी बांध लेता है. व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अब व्यावसायियों को लोगों को उनके पास आकर खरीदारी करने के लिए प्रेरित करने की योजनाएं चलानी होंगी, तभी व्यवसाय टिक पाएगा.अगर अभी ऐसा किया गया तो ठीक है, अन्यथा हमारे अनुमान के मुताबिक इसमें कोई शक नहीं कि दो लाख विक्रेता ही नहीं, बल्कि साढ़ेचार लाख दुकानें बंद हो सकती हैं. मुंबई में करीब ८ हजार सदस्य थे, अब सिर्फ १५०० दुकानदार किराना कारोबार में हैं. बाकी दुकानदारों ने अपना कारोबार बदल लिया है.

एमपीपीएससी जैन समाज के बच्चे हुए चयनित

जबलपुर : जबलपुर का प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान में अध्यनरत समाज के होनहार छात्र छात्राओं का परिणाम घोषित हुआ। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि मध्य प्रदेश राज्य सेवा परीक्षा २०२२ में संस्थान से अंतिम रूप से चयनित सभी प्रशिक्षर्थिय तीन डिप्टी कलेक्टर एक डीएसपी, सहित समाज के ७ बच्चे चयनित हुए।

घोषित हुए परिणाम :

सुरभि जैन बम्होरी, डिप्टी कलेक्टर, सागर जैन मंडला डिप्टी कलेक्टर, प्रियांशी जैन छपरा डिप्टी कलेक्टर, कल्पेश जैन सिंघाई डीएसपी, संची जैन टीकमगढ़, सहकारिता निरीक्षक, प्रखर जैन गोटेगांव, म. प्र. अधीनस्थ लेखा सेवा, परख जैन गोटेगांव सहायक संचालक स्कूल विभाग सभी ने अपने चयन से जैन समाज को गौरवान्वित किया। आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बंधाई देते दिगंबर जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ जैनेन्द्र जैन, अमित कासलीवाल हंसमुख गांधी आदि ने बंधाई दी

युवाचार्य श्री महेंद्र ऋषिजी म. सा. का वडगांव में भव्य स्वागत

वडगांव मावल : वडगांव मावल निवासी शिवम संदीप बाफना के जैन भगवती दीक्षा महोत्सव के लिए युवाचार्य परम पूज्य श्री महेंद्र ऋषिजी म.सा. और जैन संतों, साधुओं का वडगांव मावल में भव्य मंगल प्रवेश हुआ।

वर्धमान स्टेशन के जैन संघ के पदाधिकारीओं ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। राष्ट्रसंत आचार्य सम्राट श्री आनंद ऋषि महाराज की १२५वीं जयंती के उपलक्ष्य में शिवम बाफना का जैन भगवती दीक्षा महोत्सव आयोजित किया है। मुमुक्षु शिवम बाफना का जैन भगवती दीक्षा महोत्सव युवाचार्य पूज्य महेंद्र ऋषिजी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित किया है। यहां जैन श्री संघ ने इस समारोह के लिए व्यापक तैयारियां की हैं।

इस समारोह के लिए महेंद्र ऋषिजी महाराज सहित कई जैन संत और साधु मंगलवार को वडगांव पहुंचे। शहर में उनका भक्तिमय माहौल में स्वागत किया गया। दीक्षार्थी शिवम की घोड़े पर सवार होकर शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में जैन बंधु पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए थे। महिला भी बडी संख्या में सहभागी हुइ थी।

इस स्वागत समारोह के दौरान नवकार मंत्र पाठ, मंगल कलश और आगम के साथ-साथ महिला भगिनी, पालकी, भारुड़ जैसे कई धार्मिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। पवित्र मंगलपाठ के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। आनंद ऋषिजी म. सा. सम्राट ध्यान योगी डॉ. शिवमुनिजी महाराज की आज्ञा एवं कुंदनऋषिजी महाराज के आशीर्वाद से युवाचार्य पूज्य महेंद्रऋषिजी महाराज के पावन सान्निध्य में मुमुक्षु शिवम बाफना का जैन भगवती दीक्षा महोत्सव (संयम महोत्सव) आयोजित किया गया है।

मुमुक्षु शिवम बाफना का जन्म २४ जुलाई २००० को पुणे में हुआ। माता का नाम अनीता और पिता का नाम संदीप बाफना है। उन्होंने डी. फार्मसी और नेचुरोपैथी एवं योग विज्ञान में डिप्लोमा किया है। अखिल भारतीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के दिल्ली कार्यकारिणी सदस्य संजय कोटेचा ने बताया कि उनकी आध्यात्मिक शिक्षा में साधु प्रतिक्रमण, दशवैकालिक सूत्र के १४ अध्याय, उत्तराध्ययन सूत्र के दो अध्याय शामिल है।

सम्मेद-शिखरजी यात्रा संघका स्नेह मिलन समारोह संपन्न

पुणे : स्वधर्मी स्वप्नपूर्ति यात्रा संघ (पुणे) द्वारा आयोजित आगामी श्री सम्मेद-शिखरजी, पावापुरी, राजगृही, चंपापुरी, क्षत्रियकुंड आदि पंचतीर्थी दस दिवसीय यात्रा संघ में शामिल सभी यात्रियों का संघ पूर्व स्नेह मिलन समारोह हाल ही में संपन्न हुआ. दादावाड़ी में आयोजित इस समारोह में अल्पाहार के बाद संयोजक विमलजी संघवी ने संपूर्ण यात्रा प्रोग्राम की विस्तृत जानकारी दी.

यहां विमलजी द्वारा संपादित नमो तित्थस्य इतिहास दर्शिका पुस्तिका का विमोचन खुमचंदजी सोलंकी समेत सज्जनराज डागा, किरण सोनिगरा, महावीर सोलंकी, अमृत छाजेड़, संयोजक मनोज राठौड़ एवं विमलचंद संघवी सह सभी यात्रियों की विशेष उपस्थिति में हुआ.

स्वधर्मी बंधुओं के यात्रा लाभार्थी परिवारजनों को यहां सम्मानित किया गया. संघ के प्रमुख उद्देश्य के तहत आर्थिक कमजोर वर्ग के २२ साधर्मिक भाई बहनों सह ७१ उपवास की तपस्वीरत्ना गीता जैन एवं दीक्षार्थी बहन सह मतिमंद, अपंग आदि स्वजनों को निःशुल्क यात्रा का लाभ दिया गया. अन्य ११५ बंधुओं को अल्प दर में यात्रा का प्रावधान रखा गया. यहां ट्रैवेलिंग बैग, हेंडबैग, जनरल किट, प्रोग्राम कार्ड, आई कार्ड, लगेज टैग आदि का सभी को वितरण किया गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में नगराज मेहता, रा-हुल शाह, निखिल जैन, रमण सोलंकी, अशोक राठौड़, तुषार शाह, विक्की राठौड़ आदि ने सहयोग दिया.

धर्म की मूल जड़ है त्याग, धन के त्याग से धर्म की वृद्धि होती है

■ **अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के विचार**

फागी : फागी कस्बे में आचार्य विद्यासागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य अभिक्ष्ण ज्ञानोपयोगी प्राकृत भाषा मर्मज्ञ, अर्हम योगप्रणेता, मुनि १०८ श्री प्रणम्य सागर जी महाराज स संघ का कस्बे में दो रोज धर्म की प्रवाहना बढ़ाने के बाद आज जयकारों के साथ फागी कस्बे से रेनवाल के लिए भव्य मंगल विहार हुआ. इस अवसर पर अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने कहा कि धर्म की मूल जड़ है त्याग, धन के त्याग से धर्म की वृद्धि होती है, तथा त्याग के बिना धर्म की वृद्धि नहीं होती.

कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि आज प्रातः पार्श्वनाथ चैताल्य में अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर जी महाराज , मुनि श्री १०८ विश्वाक्ष सागर जी महाराज, क्षुल्लक १०५ श्री अनुनय सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री१०५ सविनय सागर जी महाराज, क्षुल्लक १०५ श्री समन्वय सागर जी महाराज स संघ के पावन सानिध्य में श्री जी का अभिषेक ,महाशांति धारा के बाद आर्यिका ज्ञानमती माताजी, आर्यिका विशुद्ध मति माताजी,आर्यिका श्रुति मति , आर्यिका विज्ञा श्री माताजी, तथा आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज, आचार्य सुनील सागर जी महाराज, आचार्य समय सागर जी महाराज,पूर्वाचार्य आचार्य विद्यासागर सागर जी महाराज, मुनि गुण सागर जी महाराज, आर्यिका सुबोध मति माताजी सहित विभिन्न जैनाचार्यों सहित विभिन्न तीर्थंकरों के अर्घ्य अर्पित कर सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई.

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज फागी के अध्यक्ष महावीर अजमेरा ने संयुक्त रूप से बताया कि कार्यक्रम में आज मुनि प्रणम्य सागर जी महाराज ने भरी धर्म सभा में श्रद्धालुओं को अपने मंगलमय उद्बोधन में धर्म और धन की व्याख्या करते हुए सुख- दुख के बारे में बताया कि अतीत में ऐसा कोई भी जीव नहीं है जो सुख दुख का संवेदन नहीं करता है, जीवन में कभी सुख ,कभी दुख आता रहा है, मनुष्य सुख से जीवन जीता है लेकिन सुख का एहसास नहीं होता है एवं विपत्ति आने पर दुख जरुर महसूस होता है इसके उपाय के लिए मनुष्य कोई न कोई चिंतन करता रहता है, और बताया कि गृहस्थी की सबसे ज्यादा लिप्सा धन में होती है, धन के द्वारा मनुष्य घर में सभी सुविधाएं युक्त जीवन जी सकता है, घर में सभी संसाधनों से शांति का वातावरण महसूस करता है, लेकिन सुविधाओं के अभाव में, धन के अभाव में, उसकी मानसिकता कमजोर हो जाती है, मनुष्य को धन के लिए त्याग की सख्त जरूरत है, मनुष्य को गुरुओं की वाणी , गुरुओं के उपदेश,अपने जीवन में उतारने चाहिए, तभी धन एवं धर्म बढ़ेगा तथा त्याग की भावना आएगी ओर कहा कि धन के त्याग से धर्म की वृद्धि होती है तथा त्याग के बिना धर्म की वृद्धि नहीं होती है।

गुजरात के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र भाई पटेल ने पालीताणा महानतीर्थ क्षेत्र में जीओ = जीतो प्रेरक गुरुदेव आचार्य श्री नयपद्मसागर सूरीश्वरजी महाराज साहेब मुनि श्री ध्यानपद्मसागरजी मुनि श्री अक्षयपद्मसागरजी एवं विदुषी आर्या साध्वी श्री मयणा श्रीजी महाराज साहब सिद्धिमयणा श्रीजी अर्हम मयणा श्रीजी के आशीर्वाद लिये. एवं पालीताणा में निर्मित ४२४ बेड की अस्पताल तथा संभावित मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के विषय पर गहराई से चर्चा विचारना की.

वातावरण को इत्र और जिंदगी को महकाता है मित्र

■ **संत ललितप्रभ महाराज का प्रवचन में संदेश**

एक अच्छा मित्र मिल जाए तो आदमी के जीवन में ऊंचाइयां चढ़ जाती हैं और यदि गलत रास्ते पर चलने वाला एक दोस्त मिल जाए तो आदमी कहां तक गिरेगा, इसका कोई पता नहीं लगता। मित्र एक चुनें पर जब भी चुनें हमेशा नेक चुनें। जिस तरह वातावरण को इत्र महका देता है, वैसी ही जिंदगी को एक अच्छा मित्र महका देता है। यह संदेश आउटडोर स्टेडियम में संत ललितप्रभ महाराज ने दिया।

जीने की कलाङ्खङ्ख के अंतर्गत किसे बनाएं मित्र की अच्छा रहे चरित्रङ्खङ्ख विषय पर बोलते हुए महाराज ने कहा कि दुनिया में मित्रों ने ही वक्त बुरा पड़ने पर साथ निभाया है और दुनिया में ऐसे दोस्त भी आ जाते हैं जो आदमी की जिंदगी में बुरा वक्त लाकर खड़ा कर देते हैं। एक गलत स्वभाव वाला दोस्त आपके परिवार के किसी एक व्यक्ति का मित्र बन गया तो पूरा परिवार तहस-नहस हो जाएगा।

नसीब से मिलते हैं अच्छी पत्नी, संतान और दोस्त

तीन चीजें आदमी को बड़े नसीब से मिलती हैं- एक अच्छी पत्नी, एक अच्छी संतान और एक अच्छा दोस्त। पत्नी के चयन में परिवार का हाथ होता है, एक अच्छी संतान को देने में भगवान का हाथ होता है पर एकमात्र मित्र है जिसका चयन आप खुद करते हैं। पानी पियो छान के और मित्र बनाओ अच्छी तरह जान के। पिता यदि गलत राह पर चल रहा है तब भी संतान को खतरा नहीं, क्योंकि उसका पिता यही चाहेगा कि मेरा बेटा कभी गलत राह पर न चले। एक मित्र अगर गलत राह पर चल रहा है तो यह मानकर चलो कि वह एक दिन आपको भी गलत राह पर ले जाएगा। जैसा आदमी का मित्र होगा, वैसा ही उसका चरित्र होगा। कौन आदमी कैसा है, अगर यह पता करना है तो पहले ये पता कर लो कि उसके मित्र कैसे हैं, आपको उसका चरित्र का पता चल जाएगा।

स्वार्थी, चापलूस को मित्र न बनाओ

मूर्ख, स्वार्थी और चापलूस को कभी अपना मित्र न बनाओ। मित्रता हो तो हाथ और आंख जैसी हो, हाथ में चोट लग जाए तो आंख में आंसू आ जाएं और आंख में आंसू आएं तो हाथ उन्हें पोंछने उठ जाए। सौ फालतू के दोस्त इक्ट्ठा करने की बजाय एक सही दोस्त को साथ रखना ज्यादा अच्छा है। हजार तारे मिलकर भी आसमान में उजाला नहीं कर सकते, जो उजाला एक चांद कर देता है।

संपत्ति आपको महान नहीं बनाती बल्कि संपत्ति का दान आपको महान बनाता है

■ पं. राजरक्षित विजयजी के विचार

पुणे : श्रीमहावीर स्वामी जिनालय चिंचवड़ स्टेशन जैनसंघ में पं. राजरक्षित विजयजी ने कहा कि मानव जीवन को सफल बनाने के लिए संपत्ति, शक्ति, सौंदर्य से अधिक महत्वपूर्ण शांति है। शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए सुख आने पर बेफाम न हो जाएँ। दुःख आने पर निराश न हों जाए सुख में सावधान रहना, दुःख में समझौता करना। असफलता को अपने दिल पर हावी न होने दें। सफलता को अपने सिर पर हावी न होने दें।

कोई आदमी कितना जिया इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि वह कैसा जिया। काँटों के बीच सदैव मुस्कुराते, सुगंधित गुलाब का अल्प जीवन भी प्रशंसनीय है। लम्बी ताडी के समान लम्बी आयु का कोई विशेष मूल्य नहीं होता। संपत्ति आपको महान नहीं बनाती बल्कि संपत्ति का दान आपको महान बनाता है। सुंदरता से ज्यादा महत्वपूर्ण है सदाचार। सत्ता प्रभाव नहीं डालती. सत्ता के साथ विनम्रता आनी चाहिए।

सुख का आनंद लेना कोई कला नहीं है. लेकिन सुख को बाँटना एक सच्ची कला है। अमीरों का अतिरिक्त धन भोग–विलास में खर्च होता है। फैशन की लत में लाखों–करोड़ों रुपए आसानी से डूब जाते हैं। प्री–वेडिंग, पूल पार्टी, बैचलर पार्टी, बेबी शॉवर, किटी पार्टी जैसे फजूल आयोजनों में श्रीमंतो शो किए जाते हैं। जिस देश में गरीब बच्चों को एक टंकी दूध पीने को नहीं मिलता? कूपोषण के कारण मृत्यु होती है। बिहार जैसे राज्य में मांएं अपने बच्चों को बेचकर गुजारा करती हैं. ऐसे समय में विलासितापूर्ण खर्च सही है? भारत की आजादी के ७५ साल बाद भी कितने गांवों में बिजली नहीं पहुंची है? कितने लोगों के पास अपना घर नहीं है. ऐसे समय में अमीरों को शादी के प्रसंग को सादा रखकर जरूरतमंदों की जान बचानी चाहिए. संसार के दुःखी एवं असहाय प्राणियों की अपनी शक्ति के अनुसार सहायता करने का प्रयास अत्यन्त सराहनीय है।

कर्म के विरुद्ध युद्ध में यदि भगवान हमारे सारथी बन जाएं तो विजय निश्चित है

■ पं. राजरक्षित विजयजी के विचार

पुणे : श्री गिरनार १०८ सौ. जैन संघ कोंढवा, पुणे में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ के नवनिर्मित जिनालय के अंजन शलाका प्रतिष्ठा महोत्सव में आचार्य अपराजितसूरि, पंन्यास राजरक्षितविजय एवं अन्य साधु–साध्वियों की पावन निश्रा में च्यवन कल्याणक का भव्य आयोजन किया गया।

पिता अश्वसेन राजा, माता वामादेवी, सौधर्मेन्द्र देव और इन्द्राणी की विधिवत् स्थापना की गई। नूतन मूर्तियों को विशिष्ट द्रव्यों से विलेपन किया गया तथा मंत्रन्यास किया गया। मंत्रोचार के साथ भगवान की प्रतिमा को दूध से भरे प्याली में च्यवन किया गया।

आचार्य अपराजितसूरिजी ने कहा कि अरिहंत परमात्मा का जीवदल बहुत ऊंचा है। उनमें परोपकारिता का एक विशेष स्तर है। दूसरों के दुःख दूर करने के लिए सदैव तत्पर। हर भव में उच्च स्थान प्राप्त करता है। जब वह वृक्ष बनता है, तो वह गुलाब या आम के पेड़ के रूप में जन्म लेता है; बेइन्द्रिय में, वह शंख के रूप में जन्म लेता है; अग्नि शरीर में, वह दीपक के रूप में जन्म लेता है।

पंन्यास राजरक्षितविजयजी ने कहा कि श्री पार्श्वनाथ दस में देवलोक में देव के रूप में थे। उस समय ५०० कल्याणक हर्षोल्लास से मनाये थे। देवलोक की आयु पूरी करने के बाद जगत का उद्धार करने के लिए वामा माता की कोख में आए। इसे च्यवन कल्याणक कहा जाता है। श्री पार्श्वनाथ परमात्मा का च्यवन कल्याणक से संसार के सभी जीव सुख का अनुभव करते हैं। माता वामा को चौदह शुभ स्वप्न आते हैं। राजा अश्वसेन के अन्न भंडार और स्वर्ण भंडार में वृद्धि होती है।

हमें प्रभु के च्यवन कल्याण पर प्रार्थना करनी है, हे प्रभु! अब तक, मैंने तुम्हें बारहवें खिलाड़ी के रूप में रखकर अपने जीवन का मैच ही हारा है। अब, जीवन के मैच में, मैं आपको कप्तान के रूप में स्थापित करना चाहता हूं और अपने कर्म के खिलाफ जीतना चाहता हूं। यदि प्रभु हमारा सारथी बन जाए तो विजय निश्चित है।

शोभाताई आर धारीवाल इंग्लिश स्कूल का उद्घाटन

अभिभावक और छात्रों ने दिया आरएमडी फाउंडेशन को धन्यवाद

बेलगाम : आरएमडी फाउंडेशन की उपाध्यक्षा शोभाताई आर. धारीवाल के सहयोग से बेलगाम के पास कुडची में एक अंग्रेजी माध्यम स्कूल स्थापित किया गया है. इस स्कूल का उद्घाटन समारोह हाल ही में आयोजित किया गया. इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्कूल के ट्रस्टी, छात्र, अभिभावक, स्थानीय नेता और युवा उपस्थित थे. चूंकि कुड़ची (बेलगाम) के ग्रामीण क्षेत्र में कोई अंग्रेजी माध्यम स्कूल नहीं था, इसलिए छात्रों को अंग्रेजी स्कूल में पढ़ने के लिए तालुका की यात्रा करनी पड़ती थी. इस संबंध में शांतिसागर वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने आर. एम. डी. फाउंडेशन की उपाध्यक्षा शोभाताई आर. धारीवाल से मुलाकात की और उनसे एक अंग्रेजी स्कूल बनाने का अनुरोध किया.

तदनुसार, इंग्लिश हाईस्कूल भवन का निर्माण किया गया. गांव में अंग्रेजी स्कूल की सुविधा मिलने से अभिभावक और छात्र खुश हुए. सभी ने आरएमडी फाउंडेशन को धन्यवाद दिया. गौरतलब है कि आरएमडी फाउंडेशन पूरे भारत में स्वास्थ्य शिक्षा, खेल, पर्यावरण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है. हर साल, रसिकलाल एम. धारीवाल के जन्मदिन पर एक मार्च को कोरेगांव पार्क में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है. इसके अलावा, वर्ष भर वृक्षारोपण, एक पेड़ मां के नाम पर – वृक्षारोपण एवं संरक्षण योजना, रांजणगांव गणपति में मैराथन, ग्रामीण, शहरी और आदिवासी क्षेत्रों में छात्रों को तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के लिए शोभाताई स्मार्ट क्लास योजना के तहत स्मार्ट बोर्ड का वितरण भी किया जाता है.

आरएमडी फाउंडेशन की अध्यक्ष जान्हवी धारीवाल बालन ने यह भी बताया कि मेडिकल छात्रों को अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए छात्रवृत्ति योजना लागू की जा रही है. आरएमडी फाउंडेशन के कार्य पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्लास्टिक बैगों के स्थान पर कागज के बैगों के उपयोग के बारे में छात्रों में जागरूकता तथा कागज के बैग बनाने का प्रशिक्षण, विभिन्न मंदिर, स्कूल, कॉलेज, सार्वजनिक पार्क, सरकारी अस्पतालों आदि में आने वाले लोगों को प्याऊ के माध्यम से स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना, शोभाताई आर धारीवाल उद्योग नगरी के माध्यम से विदर्भ में निराश्रित, आत्महत्या–प्रवण कृषक परिवारों की महिलाओं के लिए रोजगार सृजन.

दिगंबर जैन पाठशाला डडूका की बोर्ड परीक्षा में २७ बच्चो ने लिया हिस्सा

सांगानेर : दिगंबर जैन पाठशाला डडूका की श्रमण संस्कृति संरक्षण बोर्ड सांगानेर द्वारा आयोजित अर्द्ध वार्षिक परीक्षा परीक्षा नियंत्रक अजीत कोठिया तथा पाठशाला प्रेरक मनोज एस शाह के निर्देशन में संपन्न हुई।

बच्चो ने श्रीफल वधेर कर आयोजन का शुभारंभ किया। अशोक के शाह ने ११बच्चों की मौखिक परीक्षा ली, तो वीरेंद्र एस शाह, पलाश जैन, मुकेश के शाह, रीतेश आर शाह, दीपेश जैन ने भाग १, भाग २ तथा श्रमण संस्कृति सिद्धांत प्रवेशिका भाग १की लिखित परीक्षा ली। आयोजन मे सूरजमल आर शाह, अजीत कोठिया, मनोज शाह , मुकेश शाह एवं वीरेंद्र एस शाह ने बच्चों को प्रसाद वितरण किया। परीक्षा संचालन अजीत कोठिया ने किया, आभार मनोज एस शाह ने व्यक्त किया। पाठशाला प्रेरक धनपाल शाह ने बच्चों को वर्चुअल आशीर्वाद दिया।

व्यापारियों द्वारा ड्रायफ्रूट पर जीएसटी कम करने की मांग

■ भारतीय नट्स एवं ड्रायफ्रूट परिषद ने वित्त मंत्रालय को दिया ज्ञापन

मुंबई : सूखे मेवों के स्वास्थ्य संबंधी महत्व को देखते हुए, उनकी कीमत कम करने के लिए सूखे मेवों पर जीएसटी को १८ प्रतिशत से घटाकर ५ प्रतिशत करने की आवश्यकता है. वहीं, बजट की पृष्ठभूमि में ड्राई फ्रूट उत्पादकों और व्यापारियों ने मांग की है कि देश में ड्रायफ्रूट उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए आयात पर प्रतिबंध बढ़ाया जाए. इस संबंध में भारतीय नट्स एवं ड्रायफ्रूट परिषद ने वित्त मंत्रालय को एक प्रतिवेदन सौंपा है.

उन्होंने कहा है कि यदि इस क्षेत्र को औद्योगिक उत्पादों के समान उत्पादन के आधार पर सब्सिडी दी जाए तो आयात कम हो जाएगा. देश में रोजगार सृजन बढ़ सकता है. साथ ही, इस उत्पाद की कीमतें भी कम हो जाएंगी. परिषद के अध्यक्ष गुंजन विजयन ने कहा नागरिकों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करना है. बताया गया कि भारतीय नागरिक खाने-पीने के प्रति जागरूक हो गए हैं. उम्मीद है कि यह बाजार २०२९ तक सालाना १८ प्रतिशत की दर से बढ़कर १२ बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा. संगठन का कहना है कि कश्मीर में कुल उत्पादन में अखरोट का हिस्सा ९०% है. कश्मीर के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड आदि राज्यों में भी उत्पादन की संभावनाएं हैं. बादाम पर ३५ रुपये किलो का आयात शुल्क लगाया जाता है. इसी तरह अखरोट पर १५० रुपये किलो का आयात शुल्क लगाने की मांग की गई है.

टैक्स कम हो तो किफायती दामों पर लोग खरीदेंगे

कोरोना के बाद ड्राई फ्रूट्स की मांग बढ़ गई है. हालांकि, इस पर टैक्स अभी भी बहुत अधिक है. इसे कम किया जाना चाहिए. विशेषकर सभी प्रकार के सूखे मेवों पर आयात शुल्क और जीएसटी कम किया जाना चाहिए. यदि दरें उचित हों तो उपभोक्ता सूखे मेवे को एक स्वस्थ पोषण विकल्प के रूप में मान सकते हैं. आजकल लोग स्वास्थ्य के प्रति बहुत जागरूक हो गए हैं. वे सूखे मेवे की मांग कर रहे हैं. लेकिन, ऊंची कीमत के कारण कई लोग चाहकर भी सूखे मेवे नहीं खरीद पाते हैं. सूखे मेवे शुद्ध और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ हैं. इसमें विटामिन और मिनरल होते हैं. इनका प्रयोग बढ़ेगा तो स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. इससे देश को ही लाभ होगा. अंजीर, बादाम, खजूर और पिस्ता की विशेष रूप से अच्छी मांग है. चूंकि ये आयातित होते हैं, इसलिए इन पर टैक्स कम किया जाना चाहिए ताकि लोग किफायती दामों पर सूखे मेवे खरीद सकें, ऐसा आरबीज ड्रायफ्रूट्स के राजीव बांठिया ने कहा.

करों में सरलीकरण होना चाहिए

वर्तमान स्थिति में टैक्सेशन बहुत जटिल हो गया है. कंप्लायंस कठिन कार्य है और इसमें समय लगता है. एक व्यापारी और प्रतिनिधि के रूप में मेरी मांग और राय है कि करों में सरलीकरण होना चाहिए. सभी व्यापारियों के लिए इसे समझना आसान होना चाहिए. टैक्स का भुगतान करना कोई परेशानी नहीं होगी. साथ ही वन नेशन वन टैक्स के संदर्भ में विचार किया जाना चाहिए. इससे कर संग्रह अधिकतम होगा और देश की प्रगति होगी. उपवास के लिए आवश्यक खजूर और खारीक पर कोई टैक्स नहीं होना चाहिए. या कम से कम इन वस्तुओं को कम कर प्रतिशत के दायरे में शामिल किया जाना चाहिए. देश में ८०% ड्रायफ्रूट आयात किया जाता है. इस पर आयात शुल्क अदा किया जाता है. यदि ड्रायफ्रूट पर सिर्फ ५% जीएसटी लगा दिया जाए तो आम उपभोक्ता भी इन्हें खरीद सकेंगे. इससे व्यापार बढ़ेगा और उपभोक्ताओं को भी लाभ होगा.

- नवीन गोयल, दि पूना ड्राई फ्रूट्स एंड स्पाइसेज एसोसिएशन

मालेगांव मेन रोड पर मांस की बिक्री पर लगाए रोक

मालेगांव : मालेगांव नगर पंचायत सीमा के भीतर हिंदू मोक्ष धाम और ना ना मुंडाडा विद्यालय की ओर जाने वाली सड़क पर बड़े पैमाने पर बिक्री वाली दुकानों को स्थायी रूप से बंद करने की मांग दिंगबर जैन ग्लोबल महासभा ने की है.

ज्ञापन में विनोद रोकड़े ने कहा कि हमारे समाज के हित में और स्कूल के बच्चों में अच्छे विचार और संस्कार विकसित करने के लिए, मैं आपके समक्ष निम्नलिखित बातें प्रस्तुत करता हूँ. श्री १००८ आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर शेलू फाटा से शिरपुर जैन मंदिर रोड पर स्थित है। यह मंदिर मालेगांव जैन समुदाय के लिए बहुत पवित्र और पूजनीय है। यहां जैन संप्रदाय के श्रद्धालु, संत, मुनिश्री, माताजी आदि नियमित रूप से आते रहते हैं। इसके अलावा, आसपास बड़े स्कूल हैं और कई स्कूली छात्र शिक्षा के लिए इस सड़क से गुजरते हैं।

लेकिन, इस सड़क पर बड़े पैमाने पर मांस बिक्री की दुकानें स्थापित की गई हैं, जिससे कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मछली बेचने वाली दुकानों से स्कूली छात्रों, महिलाओं, पुरुष श्रद्धालुओं के साथ-साथ जैन संप्रदाय के अनुयायियों को मानसिक और शारीरिक पीड़ा झेलनी पड़ती है। मांस, कसाई मांस, साथ ही घरेलू जानवरों की बिक्री की गंध, उनके काटने आदि कई लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करते हैं। इससे सड़क पर चलने वालों को बदबू के कारण उल्टी, चक्कर आना, जी मिचलाना जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है.

दूसरी ओर, हिंदू समुदाय का मोक्ष धाम इन दुकानदारों के बिक्री क्षेत्र के पास स्थित है। यहां मांस की बिक्री से काफी दुर्गंध पैदा होती है और कई बार पक्षी मांस के टुकड़े उठाकर मोक्षधाम क्षेत्र में फेंक देते हैं, जिससे काफी दुर्गंध पैदा होती है। इससे उस क्षेत्र में जाने वाले लोगों को शारीरिक व मानसिक परेशानी होती है. इसलिए हमारा अनुरोध है कि नगर पंचायत इस सड़क पर बड़े पैमाने पर बिक्री करने वाली दुकानों को स्थायी रूप से बंद कर दे और उन दुकानदारों को अन्य स्थानों पर बिक्री करने के लिए उपयुक्त स्थान प्रदान करे।

मंदिर की पवित्र ऊर्जा में डूबने से मानसिक लाभ मिलता है

■ पं. राजरक्षितविजयजी के विचार

पुणे : श्री गिरनार १०८ सौ. जैनसंघ कोंढवा पुणे में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ नवनिर्मित जिनालय के अंजन शलाका प्रतिष्ठा महोत्सव में निश्रा प्रदान करने के बाद पंन्यास राजरक्षितविजय, पंन्यास नयरक्षितविजयजी आदि मुंबई तरफ प्रस्थान किया । २ फरवरी को लोनावला गांव में श्री शांतिनाथ जिनालय की १२८वीं सालगिरि है और ८/९ फरवरी को लोनावला जयानंद धाम में पारिवारिक मिलन समारोह है। ४ मार्च को मुलुंड (प.) झवेररोड श्री वासुपूज्य जिनालय की वर्षगांठ पर निश्रा देंगे। ४ अप्रैल से १२ अप्रैल तक श्री चंद्रप्रभ जिनालय संघ पार्ला (वे.) में नवपद की ओली आयोजित किया जाएगा। चातुर्मास पुणे के

गोलीवाला भवन गुलटेकरी संध में होगा।

श्री नेमिनाथ जिनालय कासारवाड़ी जैनसंध में पं. राजरक्षितविजयजी ने कहा कि यदि अनाज में पारा है तो कीड़ा नहीं लगता। हृदय में भगवान हो तो दोष उत्पन्न नहीं होते। वह मंदिर है जो भटकते मन को अंदर ले जाता है। मंदिर की पवित्र ऊर्जा में स्नान करने से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभ मिलता है। प्रभु की प्रार्थना तुरंत फल देती है। लेकिन इसके लिए श्रद्धा की आवश्यकता है. प्रभु श्रद्धा द्वारा मीरा को दिया गया विष का प्याला अमृत बन गया। मयणा की भक्ति से उम्बर राणा का कुष्ठ रोग ठीक हो गया। नरसिंह मेहता की प्रभु श्रद्धा ने कुँवरबाई का मामेरा भर गया। भगवान जब देता है तो अच्छा ही देता है। न देते हुए भी अच्छा पाने का रास्ता बताता है।

भगवान की भक्ति से नब्बे प्रतिशत कष्ट दूर हो जाते हैं। लेकिन जब निकचित (भारी) कर्म होता है, तो यह दुःख में समता और समाधि देता है। जो बबूल बोता है, उसे काँटे भी सहन करने पड़ते हैं। प्याज उत्पादकों को बदबू सहन करनी पड़ती है. उसी प्रकार पापी को भी कष्ट भोगना पड़ता है। पूज्यश्री की विहार यात्रा में जैन युवा ग्रुप पुणे एवं विहार ग्रुप के युवा शामिल हुए।

पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी का आध्यात्मिक शिविर संपन्न

■ ३००० से ज्यादा लोग हुए उपस्थित; जनसमूह ने अनुभव किया शोशत ज्ञान और मानसिक शांति का मार्ग

पुणे : आध्यात्मिक आर्षदृष्टा, वैश्विक मानवतावादी और श्रीमद् राजचंद्र मिशन धरमपुर के संस्थापक पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी का शहर में ३ दिवसीय आध्यत्मिक शिविर उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ. इस शिविर का सफल आयोजन गुरुवार ३० जनवरी से शनिवार १ फरवरी तक स्वारगेट स्थित गणेश कला क्रीड़ा मंच में किया गया था, जहां ३ दिन करीब ३००० से ज्यादा लोगों ने उपस्थिति दी. शहर में गुरुदेव की प्रेरणादायक उपस्थिति से ऊर्जा का संचार हुआ. प्रत्येक शाम ८:०० बजे से १०:०० बजे तक गुरुदेवश्री ने अपने प्रवचनों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध किया, जिसमें उन्होंने शोशत आध्यात्मिक ज्ञान को सरल और प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया. यह शिविर उन सभी के लिए एक अमूल्य अवसर साबित हुआ जो जीवन में शांति, संतुलन, मानसिक शांति और आंतरिक विकास की ओर अग्रसर होने के इच्छुक थे. गुरुदेव के उपदेशों ने भौगोलिक और सांस्कृतिक सीमाओं को पार करते हुए सभी को सत्य और जीवन के उद्देश्य की खोज में प्रेरित किया. इस आयोजन ने पुणेवासियों को आध्यात्मिक प्रगति की दिशा में एक नई ऊर्जा और दृष्टिकोण प्रदान किया. इस तीन दिन के अध्यात्मिक उत्सव में पुणे की नामांकित हस्तियां उपस्थित थीं, जिनमें फोर्स मोटर्स के अध्यक्ष अभय फिरोदिया, रुणवाल ग्रुप के फाउंडर अध्यक्ष सुभाष रुणवाल, जितो एपैक्स के चैयरमेन विजय भंडारी, प्रकाश धारीवाल, राजेश सांकला, विलास पालरेचा, देवेंद्र पित्ती, कृष्णकुमार बुब, इंदर जैन, मनीष जैन इत्यादि एवं अन्य संघटन के व सामाजिक संस्थाओं के नामांकित महानुभव उपस्थित थे.

पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी के बारे में

पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी, श्रीमद् राजचंद्र मिशन धरमपुर के संस्थापक और श्रीमद् राजचंद्रजी के परम भक्त हैं. वे दुनिया भर में २०६ केंद्रों, ९६ युवा समूहों और २५० से अधिक बच्चों के शिक्षा केंद्रों के माध्यम से लाखों लोगों का जीवन सुधार रहे हैं. उनके ज्ञानवर्धक प्रवचनों और ध्यान शिविरों के माध्यम से असंख्य लोगों के जीवन में सुधार आया है. वे वंचित समुदायों की भी बेहद सहायता करते हैं. श्रीमद राजचंद्र लव एंड केयर, श्रीमद राजचंद्र मिशन धरमपुर का पुरपकफत सामाजिक अभिभाव हैं, जो समाज के अभावग्रस्त वर्गों की सेवा द्वारा उनके जीवन को आनंद से भरने कार्यान्वित हैं.

हम पृथ्वी पर यात्री के रूप में आए हैं, निवासी के रूप में नहीं : पं. राजरक्षित विजयजी

लोनावाला : हम पृथ्वी पर निवासी के रूप में नहीं, बल्कि यात्री के रूप में आए हैं. जीवन के अंत का समय कभी निश्चित नहीं होता, यह विचार राजरक्षित विजयजी ने व्यक्त किए है.

श्री मुनिसुव्रत स्वामी जिनालय जयानंद धाम लोनावाला पं. राजरक्षित विजयजी ने वरिष्ठ नागरिकों से बातचीत करते हुए कहा कि हम इस धरती पर यात्री के रूप में आए हैं, निवासी के रूप में नहीं. हम यहां मालिक के रूप में नहीं, बल्कि मेहमान के रूप में रहना चाहते हैं। जब हम पैदा हुए थे, तब हमारे हाथ में कुछ नहीं था और मृत्यु के समय भी हमारे हाथ खाली ही रहेंगे। जन्म के समय हमारे पास कुछ नहीं था और मृत्यु के समय भी हमारे पास कुछ नहीं होगा। फिर भी हमें धन संचय करने के लिए दिन-रात प्रयास करते रहना होगा। गलत तरीकों से कमाया गया धन परलोक में हमारे साथ नहीं आएगा, लेकिन गलत मार्ग कमाया धन परलोक में हमारे साथ आएंगे।

हम जानते हैं कि हमने कितना जीवन जिया है। लेकिन हम नहीं जानते कि हम कितने दिन जीवित रहेंगे। क्रिकेट की दुनिया में, एक बल्लेबाज को यह तो पता होता है कि उसने कितनी गेंदें फेंकी हैं, कितने रन बनाए हैं, तथा कितने ओवर फेंके हैं, लेकिन वह यह नहीं जानता कि उसे कितनी गेंदें फेंकनी हैं या कितने रन बनाने हैं। फूलों के सूखने का एक निश्चित समय होता है। सूर्यास्त और सूर्योदय का समय भी निश्चित है। लेकिन जीवन का अंत कब होगा यह कभी निश्चित नहीं होता। बीमारी, बुढ़ापा और मौत सभी का पीछा कर रहा हैं। यह रोग किसी भी उम्र में हो सकता है। यदि बीमारी नहीं होगी तो बुढ़ापा अवश्य आएगा। कभी-कभी बीमारी और बुढ़ापा हावी हो जाते हैं और यहां तक कि मृत्यु भी हो जाती है।

भारत के पास सबसे अधिक जनशक्ति : आचार्य सुनील सागर महाराज

पाड़वा : भगवान के जन्म कल्याणक महोत्सव पर आचार्य सुनील सागर महाराज ने कहा आज भारत के पास सबसे अधिक आबादी १४० करोड़ है जनशक्ति सबसे अधिक भारत के पास है.

आचार्य मुनि ने बताया आदि सागर महाराज महावीर कीर्ति महाराज जब माता के गर्भ में आए थे और बहुत ही पुण्यशाली जीव थे जिन्होंने अपने ज्ञान से संसार का कल्याण का मार्ग बताया. आज के युग में माता के गर्भ में होने वाली संतान में भी रंग बदले जा सकते हैं आप मिट्टी में रंग डाल दो इस मिट्टी से अलग-अलग रंग के फूल तैयार होते हैं आज के बच्चे माता-पिता का ध्यान नहीं रखते नहीं उनका सेवा करते हैं. उन्हें वर्धा आश्रम में जाकर छोड़ आते हैं वह बच्चे किस काम के हैं यह संस्कारों का अभाव होना बताया.

भारत की आबादी १४० करोड़ जनशक्ति सबसे अधिक है भारत के पास आज भारत को ग़लत वैष्णो लड़ाई झगड़ों उत्पन्न करके भारत की शक्ति को कम किया जा रहा है विदेशी कंपनियां आज देश में हावी होती जा रही है आज दुनिया की आबादी ८ अरब है पेड़ पौधे कीड़े मकोड़े भी जीव है हमारा सौभाग्य है कि हम मनुष्य योनि में जन्म हुआ है वह भी भारत देश में वह भी राजस्थान में जहां सभी धर्म को सम्मान दर्जा दिया जाता है जहां सारी समाज एक दूसरे के सहयोग करते हैं जहां पर हिंसा है वहां पर ही भय बना हुआ है डर है शेर जंगल में हिंसा करता है फिर भी वह भयभीत रहता है शिकारी आकर मुझे मार ने दे ऐसा मत हिंसक को रहता है.

मुनि श्री आगम सागरजी महाराज ससंघ के अधिकाऱ्यांनी ने लिए आशीर्वाद

चंद्रगिरी तीर्थ : श्रमण संस्कृति के महामहिम संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी के प्रथम पुण्य स्मरण दिवस पर होने वाले भव्य कार्यक्रम के सिलसिले में कलेक्टर संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, एसडीएम मनोज मरकाम, एसडीओ आशीष कुंजाम, एसडीपीडब्यूडी के. के. सिंह ने कल आकर चंद्रगिरी तीर्थ क्षेत्र का दौरा किया. एवं क्षेत्र पर विराजमान मुनि श्री आगम सागर जी महाराज ससंघ के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

तत्पश्चात आगामी होने जा रहे कार्यक्रम के लिए विस्तृत चर्चा कर क्षेत्र का मोका मुआयना किया ।

अब प्रभु की प्रतिष्ठा हृदय मंदिर में होनी चाहिए : पं. राजरक्षितविजयजी

पुणे : श्री गिरनार १०८ सौ. जैन संघ कोंढवा पूना में आचार्य अपराजितसूरि, पंन्यास राजरक्षितविजय, पंन्यास सत्वभूषणविजय, पंन्यास नयरक्षितविजय आदि साधु-साध्वीजी की पावन निश्रा में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ नवनिर्मित जिनालय में अंजन विधि एवं निर्वाण कल्याणक के १०८ अभिषेक हुए।

अंजन विधि के दौरान सैकड़ों भक्तों ने मंदिर परिसर में बैठकर श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथाय नमः मंत्र का जाप किया और विशेष ऊर्जा प्राप्त की। शा लीलाचंदजी प्रागजी निंबजिया और शा प्रतापचंदजी केसाजी गुंदेशा परिवार ने घंटनाद, शंखनाद और संगीत के साथ मंगलमय उत्सव मनाया। पुण्याहं पुण्याहं, प्रियंतां प्रियंतां के मंत्रोच्चार से माहौल पार्श्वनाथमय हो गया। प्रतिष्ठा के समय भक्तों ने हर्षोल्लास के साथ नृत्य भक्ति की। मंदिर के शिखर से ध्वज फहराए जाने पर पुष्पवर्षा की गई। **साध्वीजी भगवंत का भी आशीर्वाद प्राप्त हुआ।**

पं. नयरक्षितविजयजी ने कहा कि आज जिनमंदिर में भगवान की प्रतिष्ठा की गई। अब हमारे हृदयों में प्रभु की प्रतिष्ठा होनी चाहिए। जैसे दीपक अंधकार को दूर कर देता है, वैसे ही प्रभु अहंकारादि दोषों को दूर कर देते हैं। प्रभु और प्रभु की आज्ञा एक ही है। भगवान के दर्शन से पाप (कष्ट) दूर हो जाते हैं। भगवान की पूजा करने से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। भगवान की भक्ति से लक्ष्मी (गुण) की प्राप्ति होती है। प्रभु कल्पवृक्ष से भी अधिक प्रभावशाली हैं।

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय के प्रेरक पुणे जिल्हा उद्धारक आ. देवश्री विश्वकल्याणसूरि हैं। आ. देवश्री अपराजितसूरि, पं. सत्त्वभूषण विजयजी ने मुंबई से आकर अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव की शोभा बढ़ाई। श्री गिरनार १०८ सौ. प्रतिष्ठा महोत्सव को अविस्मरणीय बनाने के लिए ट्रस्टियों-युवाओं एवं बहनों ने कड़ी मेहनत की है।